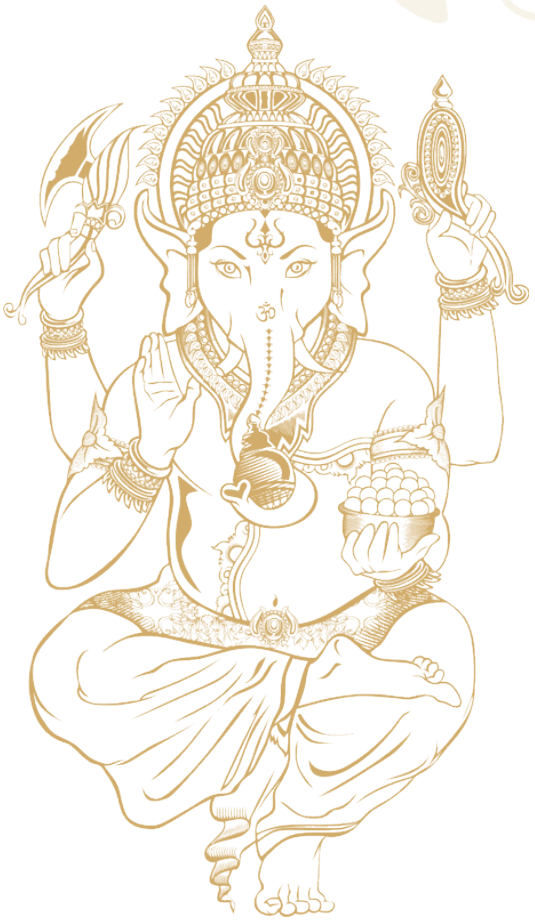

Mr. Tavish

07 May 2025

09:03 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119972002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/05/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**09:03:00 घंटे**
इष्ट	08:37:56 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:41:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	23:42:49 घंटे
सूर्योदय	05:35:49 घंटे
सूर्यास्त	18:59:59 घंटे
दिनमान	13:24:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	22:37:43 मेष
लग्न के अंश	14:15:49 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:15:49	319:52:42	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			मेष	22:37:43	00:58:04	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	22:02:06	12:04:30	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			कर्क	14:15:32	00:28:36	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			मेष	00:19:16	01:34:14	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
गुरु			वृष	28:24:39	00:12:24	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	09:46:37	00:40:53	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मीन	04:14:34	00:05:44	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			मीन	02:07:38	00:00:57	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु			कन्या	02:07:38	00:00:57	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	02:27:27	00:03:27	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	---
नेप			मीन	07:04:04	00:01:43	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	09:36:21	00:00:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	01:06:28	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:41

लग्न-चलित

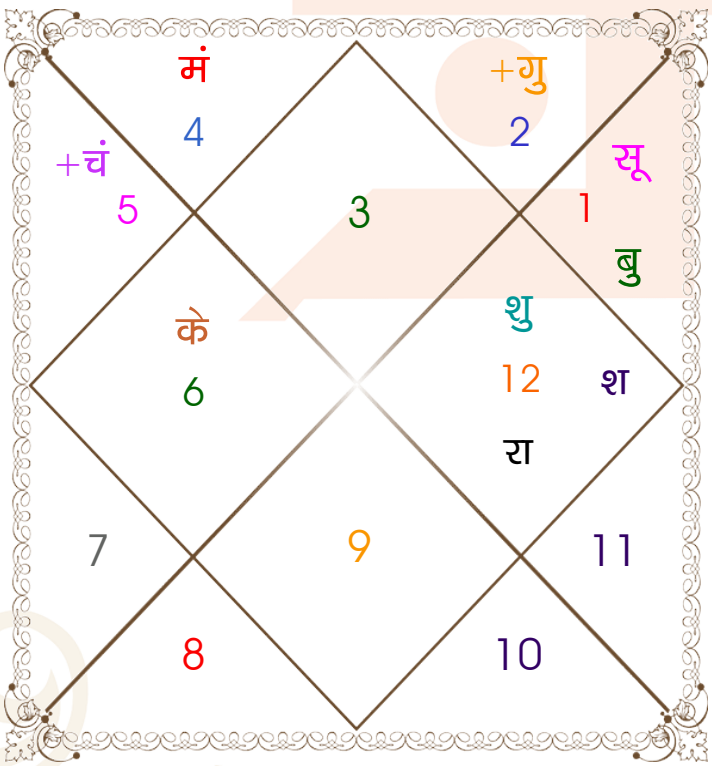

चन्द्र कुंडली

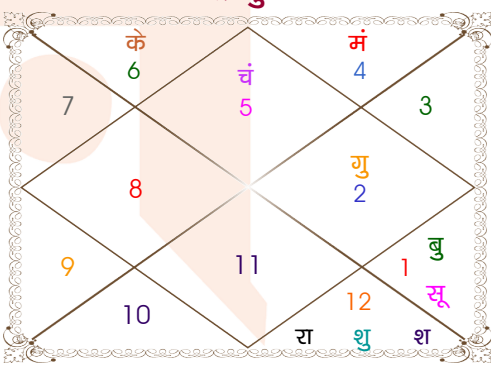

नवमांश कुंडली

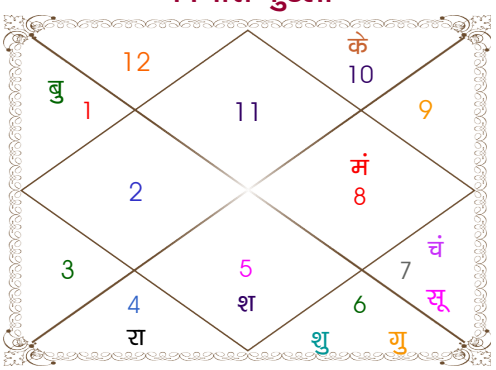

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 11 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/05/2025		18/04/2032		18/04/2038		18/04/2048		18/04/2055	
18/04/2032		18/04/2038		18/04/2048		18/04/2055		18/04/2073	
	00/00/0000	सूर्य	05/08/2032	चंद्र	16/02/2039	मंगल	14/09/2048	राहु	29/12/2057
	00/00/0000	चंद्र	04/02/2033	मंगल	17/09/2039	राहु	02/10/2049	गुरु	24/05/2060
	00/00/0000	मंगल	12/06/2033	राहु	18/03/2041	गुरु	08/09/2050	शनि	31/03/2063
	00/00/0000	राहु	06/05/2034	गुरु	18/07/2042	शनि	18/10/2051	बुध	17/10/2065
	00/00/0000	गुरु	22/02/2035	शनि	17/02/2044	बुध	14/10/2052	केतु	05/11/2066
	07/05/2025	शनि	04/02/2036	बुध	18/07/2045	केतु	12/03/2053	शुक्र	05/11/2069
शनि	18/04/2028	बुध	11/12/2036	केतु	16/02/2046	शुक्र	12/05/2054	सूर्य	29/09/2070
बुध	16/02/2031	केतु	18/04/2037	शुक्र	18/10/2047	सूर्य	17/09/2054	चंद्र	30/03/2072
केतु	18/04/2032	शुक्र	18/04/2038	सूर्य	18/04/2048	चंद्र	18/04/2055	मंगल	18/04/2073

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/04/2073		18/04/2089		19/04/2108		19/04/2125		19/04/2132	
18/04/2089		19/04/2108		19/04/2125		19/04/2132		00/00/0000	
गुरु	06/06/2075	शनि	21/04/2092	बुध	15/09/2110	केतु	15/09/2125	शुक्र	19/08/2135
शनि	17/12/2077	बुध	30/12/2094	केतु	12/09/2111	शुक्र	15/11/2126	सूर्य	18/08/2136
बुध	24/03/2080	केतु	08/02/2096	शुक्र	13/07/2114	सूर्य	23/03/2127	चंद्र	19/04/2138
केतु	28/02/2081	शुक्र	09/04/2099	सूर्य	20/05/2115	चंद्र	22/10/2127	मंगल	19/06/2139
शुक्र	30/10/2083	सूर्य	22/03/2100	चंद्र	18/10/2116	मंगल	19/03/2128	राहु	19/06/2142
सूर्य	17/08/2084	चंद्र	21/10/2101	मंगल	15/10/2117	राहु	07/04/2129	गुरु	17/02/2145
चंद्र	17/12/2085	मंगल	30/11/2102	राहु	04/05/2120	गुरु	13/03/2130	शनि	08/05/2145
मंगल	23/11/2086	राहु	06/10/2105	गुरु	10/08/2122	शनि	22/04/2131		00/00/0000
राहु	18/04/2089	गुरु	19/04/2108	शनि	19/04/2125	बुध	19/04/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 11 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।